No. of Printed Pages : 2

ई.एच.डी.-4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

00764

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-4 : मध्यकालीन भारतीय साहित्य : समाज और संस्कृति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. भक्ति आंदोलन तत्कालीन सामंतवादी और वर्ण–जातिवादी प्रवृत्तियों के विरोध में उठा लोक–स्वर था। 20

अथवा

भक्ति आंदोलन के देशव्यापी स्वरूप की चर्चा करते हुए उसके बुनियादी सरोकारों की विवेचना कीजिए।

2. बसवेश्वर के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

तमिल भक्तिकाव्य की सामाजिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कुलशेखर आलवार और आण्डाल का जीवन परिचय दीजिए।

3. सूरदास की भक्ति का परिचय देकर वात्सल्य भावना की अभिव्यक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

भक्त कवि कबीर की सामाजिक चेतना का विवेचन कीजिए।

4. हिंदी के सगुण भक्तिकाव्य के स्वरूप पर विचार करते हुए तुलसी काव्य की विशेषताओं पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

सूफ़ी-काव्य का परिचय देकर जायसी के काव्य की विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए।

5. मीरा के काव्य में तत्कालीन सामंतवादी प्रवृत्तियों का प्रखर विरोध है। इस कथन का विवेचन कीजिए। 20

अथवा

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : 10x2=20

(1) चण्डीदास

(2) ज्ञानेश्वर

(3) नरसी मेहता

(4) तुकाराम

(5) लल्लेश्वरी